कर चले हम फ़िदा

–कैफ़ी आज़मी

काव्यांश

अपना जीवन प्रत्येक जीव को प्यारा होता है। असाध्य रोगी भी जीने की कामना करता है और अपने आप को ज़िंदा रखने की भरपूर कोशिश करता है। जीवन भर हम खतरों का सामना करते हैं, अपने जीवन को सुख और आनंद से भरने का प्रयत्न करते रहते हैं, इसलिए कि हम एक अच्छा जीवन, सुरक्षित जीवन व्यतीत कर सकें। किंतु एक सैनिक का जीवन इससे बिल्कुल भिन्न होता है। इस कविता में सैनिक की भावनाओं का अत्यधिक मार्मिक वर्णन किया गया है।

वस्तुपरक प्रश्न

[1 अंक]

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

1. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए–

खींच दो अपने ख़ूँ से ज़मीन पर लकीर,
इस तरफ आने पाए न रावण कोई,
तोड़ दो हाथ अगर हाथ उठने लगे,
छू न पाए सीता का दामन कोई,
राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) खून से लकीर खींचने का अर्थ है–
- (i) घायल हो जाना
- (ii) कुर्बानी देना
- (iii) दुश्मन को चुनौती देना
- (iv) खून से रेखा बनाना

(ख) रावण शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?
- (i) सैनिकों के लिए
- (ii) शत्रु-देश के लिए

(iii) मातृभूमि के लिए
(iv) संकट के लिए

(ग) इस काव्यांश का संदेश है—
(i) हमें लड़ने के लिए तैयार रहना चाहिए
(ii) हमें राम-लक्ष्मण से सीख लेनी चाहिए
(iii) हमें मातृभूमि को सीता समझना चाहिए
(iv) हमें देश की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए

(घ) इस काव्यांश के कवि और कविता का नाम है—
(i) अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो— सुमित्रानंदन पंत
(ii) कर चले हम फ़िदा—सुमित्रानंदन पंत
(iii) अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो— मैथिलीशरण गुप्त
(iv) कर चले हम फ़िदा—कैफ़ी आज़मी

उत्तर : (क) *(iii) दुश्मन को चुनौती देना*

(ख) *(ii) शत्रु-देश के लिए*

व्याख्यात्मक हल : हम मातृभूमि को सीता की तरह पूजते हैं। उसकी रक्षा राम और लक्ष्मण बनकर करते हैं, तो शत्रु-देश हमारे लिए रावण के समान है।

(ग) *(iv) हमें देश की रक्षा के लिए तैयार रहना चाहिए*

व्याख्यात्मक हल : हमें आपस में लड़ने के लिए नहीं बल्कि देश की रक्षा के लिए प्रेरित किया गया है।

(घ) *(iv) कर चले हम फ़िदा—कैफ़ी आज़मी*

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए—

नब्ज़ जमती गई, सांस थमती गई,
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया,
कट गए सर हमारे तो कुछ ग़म नहीं,
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया,
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियो,
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियो।

(क) सैनिक के कदम कब तक आगे बढ़ते जाते हैं?
(i) अंतिम साँस तक (ii) ज़िन्दा रहने तक
(iii) नब्ज जमने तक (iv) उपर्युक्त सभी

(ख) 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया'- का अर्थ है—
(i) हिमालय को सजाना
(ii) हिमालय की हिफाज़त करना
(iii) भारत के गौरव को बनाए रखना
(iv) भारत का गुणगान करना

(ग) मरते दम तक क्या कम नहीं होता?
(i) लड़ने का जोश
(ii) देश-प्रेम
(iii) देश की रक्षा का उत्साह
(iv) जवानी का जोश

(घ) वतन को हमारे हवाले कौन करना चाहता है?
(i) हमारी सरकार
(ii) कवि कैफ़ी आज़मी
(iii) शत्रु-देश
(iv) हमारे देश के सैनिक

(क) *(iv) उपर्युक्त सभी*

(ख) *(iii) भारत के गौरव को बनाए रखना*

व्याख्यात्मक हल : हिमालय भारत के गौरव का प्रतीक है। हिमालय का सिर झुकने का अर्थ है भारत के मान-सम्मान को ठेस पहुँचना।

(ग) *(iii) देश की रक्षा का उत्साह*

वर्णनात्मक प्रश्न

[2 - 5 अंक]

लघु उत्तरीय प्रश्न (25 – 30 शब्द)

[2 अंक]

3. 'कर चले हम फ़िदा' कविता में किन दो जश्नों की बात की गई है ? **[Diksha]**

उत्तर : कवि कैफ़ी आज़मी ने कहा है कि 'जीत का जश्न इस जश्न के बाद है' अर्थात् उन्होंने दो जश्न मनाने की बात की है। एक वह जो हम जीत के बाद मनाते हैं और एक जीत से पहले अर्थात् संघर्ष करने का जश्न। जब सैनिक युद्ध भूमि में उतरता है, उसे जिंदगी और मौत को गले मिलते देखना पड़ता है। इसे भी वह पूरे जोश और उत्साह के साथ जश्न की तरह मनाए तभी जीत का जश्न मनाने का अवसर मिलता है।

4. 'कर चले हम फ़िदा' गीत में कवि ने वीरों के प्राण छोड़ते समय का मार्मिक वर्णन किस प्रकार किया है? अपने शब्दों में लिखिए। **[CBSE 2016]**

उत्तर : कवि 'कैफ़ी आज़मी' ने उस स्थिति का मार्मिक चित्रण किया है जब सैनिक देश की हिफाज़त के लिए सीमा पर

तैनात रहता है और शत्रु देश का आक्रमण होने पर घायल भी हो जाता है। उसकी साँसें थमने लगती हैं, नब्ज जमने लगती है, किंतु बढ़ते हुए कदमों को वह रुकने नहीं देता। अंतिम साँस तक आगे बढ़कर शत्रु-देश को हराने और अपने देश के मान-सम्मान की रक्षा करने का प्रयत्न करता है।

5. **इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है? यह कहकर कवि देश के सेवकों से क्या आशा करता है?**

6. **सैनिक का जीवन कैसा होता है? 'कर चले हम फ़िदा' गीत के आधार पर बताइए। [CBSE 2013]**

उत्तर : एक सैनिक का समाज, देश व विश्व में सम्मान भरा स्थान होता है। उसका जीवन अनुशासित एवं जनहित हेतु समर्पित होता है। उसे विषम से विषम परिस्थितियों में शत्रु का डटकर सामना करने हेतु अत्यंत कठिन प्रशिक्षण दिया जाता है। उसे अपने परिवार के साथ रहने का मोह व निजी स्वार्थ त्यागना होता है। पूरे देश को अपना परिवार मानकर उसकी सुरक्षा हेतु सीमाओं चौबीसों घंटे तैनात रहना होता है।

प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जान बहुत प्यारी होती है। एक असाध्य रोगी भी अपने निरोगी होने की कामना करता है। यदि जान खतरे में नजर आती है तो हर कोई उसकी हिफाज़त करना चाहता है। किंतु सैनिक ही है जो जानबूझकर अपनी जान को खतरे में डालता है ताकि देश और देशवासियों की रक्षा कर सके। जब उसकी जान पर बन आती है तब उसे एक ही चिंता सताती है कि जब वह नहीं रहेगा तो देश को कौन सँभालेगा।

7. **गीत अपनी किन विशेषताओं के कारण जीवन भर याद रह जाते हैं? [CBSE 2011]**

उत्तर : गीत लयात्मक होते हैं, कोमल भावों से भरे होते हैं, सुनने में अच्छे लगते हैं और हमारे दिल को छू जाते हैं। यही कारण है कि गीत लंबे समय तक याद रह जाते हैं। यदि हमें कोई संदेश या कोई प्रेरणा साधारण शब्दों में दी जाए तो शायद याद न रहे किंतु वही बात गीत के रूप में कही जाए तो जल्दी याद हो जाती है और हमेशा याद रहती है।

8. **कर चले हम फ़िदा' कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है? [CBSE 2011]**

9. **'कर चले हम फ़िदा' कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है? [CBSE 2015]**

उत्तर : दुल्हन शब्द सुनते ही हमारी आँखों के सामने लाल जोड़े में सजी सुंदर युवती आ जाती है। कवि 'केफ़ी आज़मी' ने धरती को दुल्हन कहा है क्योंकि वह सैनिक जो देश की रक्षा करते करते अपना खून बहा देता है और धरती उसके खून से लाल रंग जाती है, उसे लगता है मानो वह एक नई-नवेली दुल्हन को छोड़ कर जा रहा है। जाते-जाते वह उस दुल्हन की जिम्मेदारी हमें अथवा अन्य देशवासियों को सौंप देना चाहता है।

⚠ एहतियात

➥ *धरती को दुल्हन अवश्य कहा गया है किंतु सैनिक उस दुल्हन के मोह में उलझा नहीं है बल्कि उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी हम सब को सौंपना चाहता है।*

10. **'कर चले हम फ़िदा' कविता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए उसका प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। [CBSE 2017]**

उत्तर : 'कर चले हम फ़िदा' कवि कैफ़ी आज़मी द्वारा रचित एक देशभक्ति गीत है। इसकी रचना 1962 के भारत-चीन युद्ध पर निर्मित फिल्म हकीकत के लिए की गई थी। इस गीत के बोल और चित्रांकन अत्यधिक मार्मिक हैं । इतने वर्षों के बाद भी इस गीत को सुनकर हमारा रोम-रोम सिहर उठता है और आँखों में आँसू उतर आते हैं। यह गीत अपने आप में हर भारतवासी के हृदय में देशभक्ति की भावना जगाने के लिए पर्याप्त है।

11. **अपने देश के लिए सीता और देशवासियों के लिए राम और लक्ष्मण शब्दों का प्रयोग करने के पीछे कवि की क्या मंशा है?**

12. **'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि कैफ़ी आज़मी की देश भक्ति कैसे झलक रही है?**

उत्तर : सैनिकों के जो भाव कविता में झलक रहे हैं वह वास्तव में कवि कैफ़ी आज़मी के ही भाव हैं। उनका मानना यह है कि देश के ऊपर कुछ नहीं है। देश-भक्ति, देश की सुरक्षा, देश का मान-सम्मान प्रत्येक देशवासी के लिए सर्वोपरि होना चाहिए। देश-हित में यदि हमें अपनी जान भी देनी पड़े तो हँसते-हँसते दे देनी चाहिए। देश के प्रति हमें अपने कर्तव्य निभाने चाहिए। ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए जिससे देश के गौरव को ठेस पहुँचे। देश के हित में ही हमारा हित है।

निबंधात्मक प्रश्न (60–70 / 80–100 शब्द) [4 एवं 5 अंक]

13. **'कर चले हम फ़िदा' कविता में किस प्रकार की मृत्यु को अच्छा कहा गया है और क्यों? इसमें कवि क्या संदेश देना चाहता है? [CBSE 2016]**

उत्तर : 'कर चले हम फ़िदा' एक देश भक्ति गीत है जिसे कवि कैफ़ी आज़मी ने फिल्म 'हकीकत' के लिए लिखा था। यह गीत वर्षों से भारतवासियों के दिल में देशभक्ति की

भावना जगाता आ रहा है। इस गीत के माध्यम से कवि ने उन सैनिकों के दिल की आवाज़ हम तक पहुँचाई है जो हँसते-हँसते अपने देश पर कुर्बान हुए थे। कवि के अनुसार सैनिक इसे अपना सौभाग्य समझता है कि उसे अपने देश की रक्षा के लिए प्राण न्यौछावर करने का अवसर मिल रहा है। उसे केवल एक ही चिंता सताती है कि जब वह नहीं रहेगा तब इस देश की हिफाज़त कौन करेगा। इसलिए वह सभी देशवासियों से यह अपील कर रहा है कि वह उसी की तरह देश की रक्षा करने के लिए आगे आते रहें। कुर्बानियों की राह को कभी वीरान न होने दें ताकि शत्रु देश कभी हमारी मातृभूमि की ओर आँख उठाकर न देख सके।

कवि ने उसी जीवन और उसी मृत्यु को अच्छा बताया है जो देश के प्रति समर्पित हो और यही संदेश दिया है कि देश का हित प्रत्येक देशवासी के लिए सर्वोपरि होना चाहिए।

14. सीमा पर भारतीय सैनिकों के द्वारा सहर्ष स्वीकार की जा रही कठिन परिस्थितियों का उल्लेख कीजिए और प्रतिपादित कीजिए कि 'कर चले हम फ़िदा' गीत सैनिकों के हृदय की आवाज है। [CBSE 2020]

उत्तर : हम करोड़ों भारतीय अपने अपने घरों में सुरक्षित हैं क्योंकि हमारे देश की सीमाओं पर हमारे भारतीय सैनिक हर पल तैनात हैं। हमें विश्वास है कि उनके होते हुए कोई हमारे देश का बाल भी बाँका नहीं कर सकता। वह सैनिक मरते दम तक, हँसते-हँसते देश की हिफाज़त करते हैं। शत्रु देश का सामना करते हुए भले ही उनकी नब्ज़ थम जाए और खून जमने लगे पर उनके कदम रुकते नहीं हैं। उनका जोश और उत्साह अंतिम साँस तक बना रहता है। जीते जी ही नहीं, वह मरने के बाद भी देश की सुरक्षा की ही कामना करते हैं। कवि उन सैनिकों की भावनाओं को समझते हैं और उन्हीं के दिल की आवाज़ को उन्होंने इस कविता के माध्यम से हम तक पहुँचाया है कि वे हम सब से क्या अपेक्षा करते हैं।

हमारे अंदर देशभक्ति का जज़्बा जगाने के लिए उन्होंने हमें साथियो कहकर संबोधित किया है क्योंकि हम सब ने मिलकर ही देश की रक्षा करनी है।

15. कर चले हम फ़िदा' नामक गीत के आधार पर सैनिक जीवन की चुनौतियों का वर्णन कीजिए। सैनिकों का हौसला बढ़ाने के लिए आप क्या करेंगे? [CBSE 2020]

16. 'कर चले हम फ़िदा' कविता में वर्णित देशभक्ति का वर्णन कीजिए? [Diksha]

उत्तर : कविता 'कर चले हम फ़िदा' एक ऐसा देशभक्ति गीत है जो किसी भी देशवासी के दिल को छुए बिना नहीं रह सकता। बरसों बाद, आज भी इस गीत को सुनकर रोम-रोम में देशभक्ति का स्पंदन हो जाता है। देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज़्बा पैदा हो जाता है। इस गीत का एक-एक शब्द सैनिक के दिल की भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करने में सक्षम है। सैनिक के देश-प्रेम से भरे भावों ने इस कविता को अत्यधिक मार्मिक बना दिया है।

अपने घर-परिवार, सुख-चैन को भूलकर देश की हिफाज़त करना, अंतिम साँस तक शत्रु को पीछे धकेलने के लिए डटे रहना, अपने ही खून से रंगी धरती को देखकर भी कुछ ग़म न करना और स्वयं कुर्बान हो जाने पर अन्य देशवासियों को देश की रक्षा हेतु प्रेरित करना देशभक्ति की अद्भुत मिसाल है। कवि 'कैफ़ी आज़मी' ने इस गीत की रचना करके एक सच्चा देशभक्त होने का परिचय दिया है।

17. 'फ़तह का जश्न इस जश्न के बाद है।' कवि ने ऐसा क्यों कहा है? [CBSE 2016]

उत्तर : फ़तह अर्थात् जीत का जश्न अपने जीवन में हर कोई मनाना चाहता है। पर इसके लिए पहले संघर्ष करना पड़ता है, मेहनत करनी पड़ती है। एक सैनिक के लिए सबसे बड़ी जीत यही है कि वह शत्रु को हराकर अपने देश की हिफाज़त कर पाए। जब वह ऐसा कर पाता है तो वह अवसर उसके लिए जश्न मनाने का होता है। किंतु वह जश्न मनाने से पहले उसे युद्धभूमि में ज़िंदगी और मौत के गले मिलने के उस दृश्य को देखना पड़ता है जो अपने आप में एक जश्न के समान है। यदि वह युद्धभूमि में जाने से घबराएगा तो वह दुश्मन का सामना नहीं कर पाएगा। इसलिए वह खुशी-खुशी युद्धभूमि में उतरता है, पूरे जोश और जज़्बे के साथ, अपनी पूरी ताकत लगाकर शत्रु का सामना करता है। उसी की बदौलत उसके साथ पूरा देश जीत का जश्न मना पाता है।

ऐसा कहकर कवि ने हम सबको संघर्ष करने जीवन में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया है।